उड़ान 5.0 योजना

प्रलिमि्स के लयि:

उड़ान योजना, उड़ान 5.0, वायबलिटिी गैप फंडगि (VGF), रीजनल कनेक्टविटिी फंड (RCF)

मेन्स के लयि:

उड़ान योजना: वशिषताएँ और उपलब्धयिाँ, उड़ान 5.0

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सरकार ने क्षेत्रीय संपर्क योजना- **उड़ान (UDAN 5.0)** के पाँचवें चरण की शुरुआत की है।

उड़ान (उड़े देश का आम नागरकि) योजना:

- **परचिय:**
  - इस योजना की शुरुआत नागरकि उड्डयन मंत्रालय द्वारा **क्षेत्रीय हवाई अड्डे के वकिास और क्षेत्रीय कनेक्टविटिी बढ़ाने** के लयि की गई थी।
  - यह **राष्ट्रीय नागरकि उड्डयन नीति, 2016** का एक हस्सिा है।
  - यह योजना **10 वर्ष की अवधि के लयि लागू है।**
- **उद्देश्य:**
  - भारत के दूरस्थ और क्षेत्रीय क्षेत्रों के लयि हवाई संपर्क एवं यात्रा में सुधार करना।
  - दूर-दराज़ के क्षेत्रों का वकिास तथा व्यापार-वाणज्यि में वृद्धि एवं पर्यटन का वस्तिार करना।
  - आम लोगों को सस्ती दरों पर हवाई यात्रा करने में सक्षम बनाना।
  - वमिानन क्षेत्र में रोज़गार सृजन।
- **मुख्य वशिषताएँ:**
  - योजना के अनुसार, **एयरलाइंस को सभी सीटों के 50% के लयि 2,500 रुपए प्रति उड़ान प्रति घंटे का मूल्य प्रतबिंध** नरि्धारति करना चाहयि।
  - इसे हासलि करने का माध्यम:
    - **केंद्र और राज्य सरकारों एवं हवाई अड्डे के संचालकों से रयिायतों** के रूप में वत्तिीय प्रोत्साहन।
    - व्यवहार्यता अंतराल अनुदान **(Viability Gap Funding- VGF)-** संचालन की लागत और अपेक्षति राजस्व के बीच अंतर को समाप्त करने हेतु एयरलाइंस को प्रदान कयि जाने वाला सरकारी अनुदान।
      - योजना के तहत व्यवहार्यता अंतर वत्तिपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु **क्षेत्रीय कनेक्टविटिी अनुदान (Regional Connectivity Fund- RCF)** की व्यवस्था की गई थी।
  - भागीदार राज्य सरकारें **(केंद्रशासति प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों के अलावा जहाँ योगदान 10% होगा) इस अनुदान में 20% हस्सिा देंगी।**
- **योजना के पूर्व चरण:**
  - चरण 1 को वर्ष 2017 में लॉन्च कयि गया था, जसिका **उद्देश्य देश में अनुपयोगी और असेवति हवाईअड्डे को शुरू करना था।**
  - चरण 2 को वर्ष 2018 में लॉन्च कयि गया था, जसिका**उद्देश्य देश के अधकि दूरस्थ और दुर्गम हस्सिों में हवाई संपर्क का वस्तिार करना था।**

    - चरण 3 को नवंबर 2018 में लॉन्च किया गया था, **जिसमें देश के पहाड़ी और दूरदराज़ के क्षेत्रों में हवाई संपर्क बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।**
    - [उड़ान योजना का चरण 4](#) दिसंबर 2019 में शुरू किया गया था, **जिसमें द्वीपों और देश के अन्य दूरस्थ क्षेत्रों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित किया गया था।**
- **उड़ान 5.0 के प्रमुख बिंदु:**
    - **यह श्रेणी-2 (20-80 सीट) और श्रेणी-3 (>80 सीट) एयरक्राफ्ट पर केंद्रित है।**
    - इसमें यान की **उड़ान के आरंभ और गंतव्य के बीच की दूरी पर कोई प्रतिबंध नहीं है।**
    - प्रदान किये जाने वाले VGF को प्राथमिकता और गैर-प्राथमिकता वाले दोनों क्षेत्रों के लिये **600 किमी. की दूरी तक निर्धारित किया जाएगा;** पहले यह दूरी 500 किमी. थी।
    - इसमें कोई पूर्व निर्धारित मार्ग निर्धारण नहीं किया जाएगा; एयरलाइंस द्वारा प्रस्तावित केवल नेटवर्क और व्यक्तिगत रूट प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।
    - **एक ही मार्ग को एक ही एयरलाइन को एक से अधिक बार नहीं दिया जाएगा,** चाहे वह अलग-अलग नेटवर्क में हो या एक ही नेटवर्क में।
    - यदि **लगातार चार तिमाहियों के लिये औसत त्रैमासिक पैसेंजर लोड फैक्टर (PLF) 75% से अधिक है,** तो किसी **एयरलाइन को प्रदान किये गए संचालन का विशिषाधिकार वापस** ले लिया जाएगा।
        - ऐसा **किसी मार्ग पर एकाधिकार को रोकने** के लिये किया गया है।
    - **एयरलाइनों को मार्ग आवंटित किये जाने के 4 महीने के भीतर परिचालन शुरू करना होगा;** पहले यह समयसीमा 6 महीने थी।
    - **एक ऑपरेटर से दूसरे ऑपरेटर के रूट हेतु नोवेशन प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ प्रोत्साहित किया गया है।**
        - नोवेशन- मौजूदा अनुबंध को प्रतिस्थापन अनुबंध के साथ प्रतिस्थापित करने की प्रक्रिया है, जहाँ अनुबंध करने वाले पक्ष आम सहमति पर पहुँचते हैं।

उड़ान योजना की उपलब्धियाँ:

(नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा अगस्त 2022 में जारी आँकड़ों के अनुसार)

- यह योजना **टीयर-2 और टीयर-3 शहरों को किफायती हवाई किराये पर उचित मात्रा में हवाई संपर्क प्रदान करने में भी सक्षम रही है** और इससे पहले यात्रा करने का तरीका बदल गया है।
- परिचालित हवाई अड्डों की संख्या **वर्ष 2014 के 74 से बढ़कर 141 हो गई है।**
- उड़ान योजना के तहत 58 हवाई अड्डे, 8 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम सहित **68 अल्पसेवित/असेवित गंतव्यों** को जोड़ा गया है।
- उड़ान ने देश भर में 425 नए मार्गों की शुरुआत के साथ **29 से अधिक राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों को हवाई संपर्क** प्रदान किया है।
- **एक करोड़ से अधिक यात्रियों** ने इस योजना का लाभ उठाया है।

उड़ान योजना

(उड़े देश का आम नागरिक)

परिचय:

- यह एक क्षेत्रीय संपर्क योजना है।
- इसे वर्ष **2016** में लॉन्च किया गया।
- यह योजना **10** वर्षों की अवधि के लिये परिचालित की गई है।
- उड़ान **(UDAN)** योजना का विस्तृत रूप **"Ude Desh ka Aam Nagrik"** है।
- इसे राष्ट्रीय नागर विमानन नीति-2016 के अनुसरण में तैयार किया गया है।
- इसे नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अंतर्गत क्रियान्वित किया गया।

लाभ:

- विमानन क्षेत्र का लोकतंत्रीकरण।
- रोज़गार सृजन।
- पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा।

विशेषताएँ

- हवाई सेवा के माध्यम से छोटे और मध्यम शहरों को बड़े शहरों से जोड़ना।
- सस्ती, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और लाभदायक हवाई यात्रा प्रदान करना।
- असेवित और कम सेवा वाले हवाई अड्डों से संचालन को प्रोत्साहित करने के लिये चयनित एयरलाइनों को वित्तीय प्रोत्साहन देना।
- कुछ उड़ानों पर लेवी के माध्यम से योजना के वित्तीयन के लिये एक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी फंड बनाना।

उड़ान योजना के विभिन्न चरण:

- **उड़ान 1.0:** इस चरण में **70** हवाई अड्डों के लिये **128** उड़ान मार्गों को **5** एयरलाइन कंपनियों को प्रदान किया गया।
- **उड़ान 2.0:** उड़ान योजना के दूसरे चरण के तहत पहली बार हेलीपैड भी योजना से जोड़े गए थे।
- **उड़ान 3.0:** इसमें टूरिस्ट रूट, वाटर एयरोड्रोम को जोड़ने के लिये सीप्लेन और नॉर्थ-ईस्ट कनेक्टिविटी शामिल हैं।
- **उड़ान 4.0:** वर्ष 2020 में उड़ान योजना के चौथे चरण के तहत **78** नए मार्गों के लिये मंज़ूरी दी गई थी।
- **उड़ान 4.1:** इस चरण में सागरमाला सीप्लेन सेवाओं के तहत नए रूट भी प्रस्तावित किये गए हैं।
- **लाइफलाइन उड़ान:** कोविड-**19** के समय में पूरे भारत में मेडिकल कार्गो और आवश्यक आपूर्ति का हवाई परिवहन।
- **कृषि उड़ान:** कृषि उत्पादों के परिवहन में किसानों की सहायता करना
- **अंतर्राष्ट्रीय उड़ान:** भारत के छोटे शहरों को कुछ प्रमुख विदेशी गंतव्यों से सीधे जोड़ने के लिये परिचालित किया गया है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ):

प्रश्न. सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अधीन संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से भारत में विमानपत्तनों के विकास का परीक्षण कीजिये। इस संबंध में प्राधिकरणों के समक्ष कौन सी चुनौतियाँ हैं? **(2017)**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/udan-5-0-scheme